प्रेस नोट

28वां सीबीएसई सहोदय विद्यालय सम्मेलन वडोदरा में शुरू हुआ

18 नवंबर, 2022

सीबीएसई सहोदय विद्यालय सम्मेलन आज **शिक्षा 4.0- शिक्षा नवनिर्माण/ पुनर्निमिति 2030 और उसके आगे** की विषय-वस्तु के साथ शुरू हुआ। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देश और विदेश में सीबीएसई से संबद्ध 800 से अधिक स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षाविद और बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं, जो सामुदायिक विद्यालय भागीदारी, विद्यालय शिक्षा बनाम शिक्षा, शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी, शिक्षा में कृत्रिम बोध, अधिगम समुदायों का निर्माण, नेतृत्व, रचनात्मक अधिगम और शिक्षकों का क्षमता निर्माण जैसे विभिन्न विषयों पर ध्यान केंद्रित होगा।

सम्मेलन का उद्घाटन सत्र सीबीएसई अध्यक्ष श्रीमती निधि छिब्बर के संबोधन के साथ शुरू हुआ जिसमें एनईपी 2020 के उद्देश्यों को साकार करने और विद्यालयों को भविष्य के लिए तैयार करने में विद्यालय के प्रधानाचार्यों और प्रशासकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर अध्यक्ष ने बोर्ड द्वारा तैयार किए गए कई प्रकाशनों का भी विमोचन किया।

<u>सम्मेलन स्मारिका</u> पाठ्यचर्या, शिक्षाशास्त्र, शिक्षकों की क्षमता का निर्माण, विद्यालय नेतृत्व, विद्यालय सामुदायिक भागीदारी और प्रौद्योगिकी के उपयोग के क्षेत्र में देशभर के विभिन्न विद्यालयों से प्राप्त संभावित सर्वोत्तम पद्धतियों का संकलन।

सीबीएसई एसक्यूएए पोर्टल एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुसार, सीबीएसई ने विद्यालय के प्रकार्यों के सभी पहलुओं को शामिल करने वाले 7 क्षेत्रों पर आधारित एक 'विद्यालय गुणवत्ता आकलन और आश्वासन (एसक्यूएए)' रूपरेखा विकसित की है और यह व्यक्तिगत और संस्थागत उत्कृष्टता प्राप्त करने के साधन के रूप में उपयोगी हो सकती है।

गणित और विज्ञान के विषयों में नौवीं और दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए **विज्ञान और गणित में अभ्यास पुस्तकें** विकसित की गई हैं ताकि छात्रों के कौशल और दक्षताओं को मजबूत किया जा सके और उन्हें वास्तविक जीवन स्थितियों में सीखी गई अवधारणाओं को लागू करने और निष्कर्ष निकालने में सहायता मिल सके। ये कार्यपुस्तिकाएँ विषय-वस्तु के रूप में व्यवस्थित प्रश्नों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करती हैं, जिन्हें संबंधित कक्षा की पाठ्यचर्या की अवधारणाओं के साथ प्रतिचित्रित किया गया है।

आइटम बैंक बोर्ड ने अवधारणात्मक समझ और अनुप्रयोग का परीक्षण करने के लिए दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के विषयों में एनसीईआरटी पाठ्यचर्या से संरेखित सक्षमता केंद्रित अभ्यास प्रश्नों को अभिकल्पित और विकसित किया है।

भाषा (अंग्रेजी/हिंदी), गणित और ईवीएस/विज्ञान विषयों में ग्रेड 3, 5 और 8 के लिए **सफल आकलन रूपरेखाओं** का भी आज शुभारंभ किया गया। इनमें विषय क्षेत्र, विषय अंश, सक्षमताएं शामिल हैं, और प्रवीणता के विभिन्न स्तरों पर अधिगम परिणामों को परिभाषित करते हैं।

प्रयोग विकास के लिए प्रधानाचार्य योजना, सीबीएसई विद्यालयों में एनईपी 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन में प्रधानाचार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है और इसमें अभिनव शिक्षाशास्त्र, सक्षमता केंद्रित शिक्षा, अनुभवजन्य अधिगम, कला एकीकृत अधिगम, कहानी कहने व खेल एकीकृत अधिगम, SAFAL, HPC, SQAA और सक्षमता आधारित आकलन जैसी पहलों के माध्यम से प्रणालीगत सुधार जैसी विभिन्न विषयवस्तु और सहपाठी शिक्षा और जीवन कौशल, समावेशी शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, शिक्षाशास्त्र नेतृत्व और प्रधानाचार्यों से अपेक्षाएँ जैसे अन्य विषयों को शामिल किया गया है।

कौशल शिक्षा यात्रा और पर्यटन, विपणन, मीडिया, सौंदर्य और कल्याण, अभिकल्पना चिंतन और नवाचार पर कक्षा VI-VIII के लिए कई कौशल मॉड्यूल का भी आज पुस्तकालय और सूचना विज्ञान, लागत लेखाकरण, बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में कक्षा IX-XII के लिए नए मॉड्यूल के साथ शुभारंभ किया गया।

हैंड बुक ऑन पॉजिटिव पेरेंटिंग - एक रेडी रेकनर

बोर्ड हमेशा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति संवेदनशील और सक्रिय रहा है। पॉजिटिव पेरेंटिंग - एक रेडी रेकनर सीबीएसई द्वारा बहुत ही सरल और अनुसरण योग्य तरीके से माता-पिता द्वारा देखभाल और पालन-पोषण कौशल की बारीकियों में मूल्य वर्धन की उम्मीद के साथ लाया गया है। यह प्रकाशन किसी भी तरह से माता-पिता की पहले से विद्यमान विचार/चिंताओं और देखभाल का

अवमूल्यन करने का प्रयास नहीं करता है, बल्कि यह समझ को गहन करने और स्कूलों, अभिभावकों और छात्रों के बीच सकारात्मक संबंध बनाने में सहायता कर सकता है। सामग्री को कोविड के बाद की चुनौतियों को ध्यान में रखकर सावधानी से तैयार किया गया है और इसमें बच्चों के मानसिक और भावनात्मक कल्याण, प्री-टीन्स का पालन-पोषण, लैंगिक समानता और बाल दुर्व्यवहार संरक्षण, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, माता-पिता के लिए ऑनलाइन शिक्षा और ऐसे ही अन्य और विषय शामिल किए गए हैं।

रमा शर्मा
निदेशक (मीडिया और जन-संपर्क)